Title: Requests the Central Government to stop the import of sugar to save the sugar industry.

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, on behalf of the workers working in the sugarcane industry and also the sugarcane growers, I would request the Union Government to stop import of sugar so as to save the sugar industry. The hon. Prime Minister has made an announcement to increase the excise duty but increasing the excise duty is not helpful. In India, we already have about 55 lakh tonne of sugar, and this year we are expected to produce about 155 million tonnes of sugar. Sugar required for our own consumption is 140 million tonne. In these circumstances, there is no necessity to import sugar thereby killing our

---

*Not Recorded.

indigenous industry. The farming community, particularly four-and-a-half crore of sugarcane growers are in crisis. I would request the Government to take remedial steps and immediately stop the import of sugar. On behalf of my Party I would like to make this request.

SHRI SHARAD PAWAR : The issue which has been raised by the hon. Member... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The Leader of Opposition is on his legs. Please take your seat.

SHRI SHARAD PAWAR : Sir, the last year's carry over stock of sugar is more than 55 lakh tonne and this year there will be additional production of 60 lakh tonne of sugar. Keeping this background in mind, it would be very unfair to import sugar and that too from Pakistan. Till yesterday about 9 lakh tonne of sugar has already been imported. It is high time the Government of India should take appropriate decision. I have written a letter to the Government in this regard and yesterday I received a letter from the hon. Finance Minister rejecting my request. I think it is high time to take appropriate decision and save our domestic industry and the farmers. It would especially be unfair to bring sugar from Pakistan and other countries by those who claim to be the champions of `swadeshi'.

श्री बलराम जाखड़ (बीकानेर): मैं भी इसमें कुछ ऐड करना चाहूंगा। हमने दस लाख टन शूगर निर्यात की, आज हमारे पास सरप्लस है। जो चीज मंगाने की जरूरत है वह नहीं मंगाते। कल भी कहा कि खाद मंगा रहे हैं, लेकिन आज किसान चिल्ला रहे हैं। कल खाने की कमी होगी तो फिर क्या करेंगे। सरकार को यह भी पता नहीं कि किस वक्त खाद की जरूरत है और कब बुवाई होनी है। बुवाई आज होनी है तो कल खाद मंगाने का क्या फायदा होगा। आप कहते हैं कि हमारे पास ढाई लाख टन खाद पड़ी है, लेकिन इधर किसान चिल्ला रहे हैं, क्योंकि उनको खाद नहीं मिल रही है। आप उनसे चार-चार, पांच-पांच गुना ज्यादा पैसा मांगते हैं। आज लोग प्याज के लिए तरस रहे हैं। प्याज सम्भाल नहीं सके, अनाज कहां से लाएंगे? खाद की जरूरत वक्त पर होती है, बेवक्त नहीं होती।

SHRI PRITHVIRAJ D. CHAVAN (KARAD): Are you increasing the import duty or not?

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, माननीय सदस्यों और विपक्ष के नेता ने अभी आयातित चीनी, खासकर पाकिस्तान से जो चीनी आ रही है, उसके बारे में स वाल उठाया है। आपकी कल चिट्ठी आई, मुझे इसका ध्यान नहीं है, लेकिन कल प्रधान मंत्री जी ने इशारा कइया था और स्वीकार किया था कि पाकिस्तान से जो आयातित शूगर आ रही है, उसको रोकना चाहिए, क्योंकि इस देश के चीनी उद्योग और गन्ना किसानों को प्रोटेक्शन देना जरूरी है। इसलिए इसके बारे में जल्द ही कदम उठाए जाएंगे। सरकार इस पर सक्रियता से विचार कर रही है। अगले एक-दो दिन के अंदर इसके बारे में फैसला होने जा रहा है। आपने कहा कि एक्सपोर्ट भी किया है, इम्पोर्ट भी किया है।

श्री बलराम जाखड़ : दोनों का जरूरत के हिसाब से करना चाहिए।

श्री मदन लाल खुरानाः मैं यही कह रहा हूं कि आपने आधी बात सदन में बताई है, पूरी बात बतानी चाहिए। भारत सरकार इस बात से सहमत है कि पाकिस्तान से चीनी का जो आयात हो रहा है उसके कारण हमारे देश की चीनी मिलें नुकसान उठा रही हैं। उनको प्रोटेक्शन देना जरूरी है। भारत सरकार इस बारे में जल्दी कदम उठा रही है।